के.डी.न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 50 सुलतानपुर बुधवार 25 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

कांग्रेस ने अंबेडकर का किया अपमान, योगी बोले– बीजेपी उनके सपनों का भारत बनाने का कर रही काम

संवाददाता।

लखनऊ। योगी ने कहा कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा समय–समय पर बाबा साहेब के किये जा रहे असंवैधानिक और अनैतिक अपमान को उजागर करना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कथित तौर पर बीआर अंबेडकर का अपमान करने और दलित और वंचित समुदायों की उपेक्षा करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की है। उन्होंने कांग्रेस पर अंबेडकर की चुनावी हार की साजिश रचने और उनके सम्मान में स्मारक स्थापित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसके विपरीत, उन्होंने अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने के लिए भाजपा के प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिसमें अंबेडकर के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थलों श्पंचतीर्थश को विकसित करना भी शामिल है।योगी ने कहा कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा समय–समय पर बाबा साहेब के किये जा रहे असंवैधानिक और अनैतिक अपमान को उजागर करना है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश की आजादी और संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाई। हर भारतीय के मन में बाबा साहब के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहब के सपनों का देश बनाने का काम किया है। भारतीय जनता पार्टी ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर

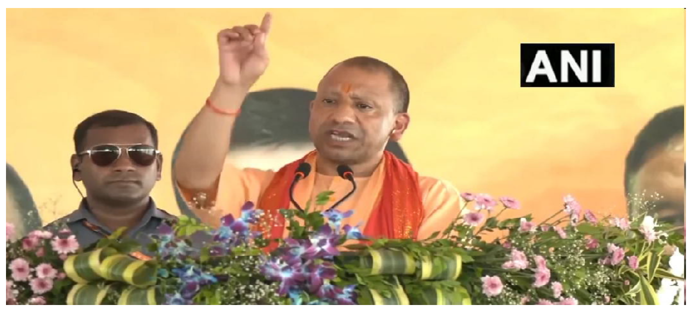

को सम्मान दिया है। सीएम ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्द जोड़े गए, जिनके बारे में उनका तर्क है कि ये अंबेडकर की मूल दृष्टि का हिस्सा नहीं थे। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा ने लगातार दलितों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के उत्थान के लिए काम किया है, जबकि यह कांग्रेस की उपेक्षा और तुष्टिकरण की राजनीति के कथित इतिहास से अलग है।

पुंछ जिले में बड़ा हादसा, खाई में गिरी सेना की गाड़ी, 5 जवानों की मौत

एजेंसी।

जम्मू । बचाव अभियान जारी है और घायल कर्मियों को चिकित्सा देखभाल मिल रही है। पुलिस ने कहा कि आज लगभग 17रू40 बजे (शाम 5.40 बजे), 11 मराठा लाइट इन्फैंट्री का एक सेना वाहन, जो एलओसी पर नीलम मुख्यालय से बलनोई घोड़ा पोस्ट की ओर जा रहा था, घोड़ा पोस्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मंगलवार शाम पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक वाहन के सड़क से उतर जाने से चालक सहित लगभग 10 सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि पुंछ सेक्टर में सेना की एक गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने से 5 जवानों की जान चली गई। बचाव अभियान जारी है और घायल कर्मियों को चिकित्सा देखभाल मिल रही है। पुलिस ने कहा कि आज लगभग 17रू40 बजे (शाम 5. 40 बजे), 11 मराठा लाइट इन्फैंट्री का एक सेना वाहन, जो एलओसी पर नीलम मुख्यालय से बलनोई घोड़ा पोस्ट की ओर जा रहा था, घोड़ा पोस्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि वाहन करीब 150 फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे चालक समेत 10 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। 11 मराठा लाइट इन्फैंट्री की एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) और मनकोट से एक पुलिस पार्टी घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। क्षेत्र के ऊबड़–खाबड़ और पहाड़ी इलाकों को देखते हुए जम्मू–कश्मीर में यातायात दुर्घटनाएँ असामान्य नहीं हैं, जिनमें कार और अन्य वाहन घाटियों में गिर जाते हैं। 15 दिसंबर को गुरेज में जादिकुशी–गुरेज सड़क पर वाहन फिसलने से सेना के दो जवान घायल हो गए थे। सितंबर में सुकराला माता आश्रम रोड पर एक वाहन के सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से एक सैनिक की भी मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

कांग्रेस के विरोध का देवेन्द्र फडणवीस ने बताया ड्रामा, संसद का समय बर्बाद करने का लगाया आरोप

एजेंसीं

महाराष्ट। पत्रकारों से बात करते हुए, फडणवीस ने अपना रुख दोहराते हुए कांग्रेस के देशव्यापी विरोध को महज नाटकबाजी बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पहले गृह मंत्री अमित शाह के बयान को संपादित करने और उस पर राजनीति करने के लिए माफी मांगनी चाहिए।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ उनके विरोध को श्नाटकश बताते हुए कांग्रेस पार्टी की तीखी आलोचना की है। यह विरोध डॉ. बी आर अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणियों को लेकर था। फडणवीस ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस को संसद का समय बर्बाद करने और शाह की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस बात को रेखांकित किया कि गांधी परिवार ने लगातार अंबेडकर का विरोध किया। पत्रकारों से बात करते हुए, फडणवीस ने अपना रुख दोहराते हुए कांग्रेस के

देशव्यापी विरोध को महज नाटकबाजी बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को पहले गृह मंत्री अमित शाह के बयान को संपादित करने और उस पर राजनीति करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने संसद सत्र को खराब कर दिया। इसके साथ ही फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में अपने भाषण के दौरान जिस तरह से कांग्रेस की पोल खोली, कैसे नेहरू से लेकर इंदिरा, राजीव से लेकर सोनिया तक कांग्रेस ने लगातार संविधान का अपमान किया। भाजपा नेता ने कहा कि यह सब उजागर होने के बाद कांग्रेस हताश है कि कैसे नेहरू जी से लेकर राहुल गांधी तक कांग्रेस नेताओं ने लगातार संविधान का अपमान किया है और आरक्षण को नकारा है और हताशा में वह इस तरह की हरकत कर रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने लगातार बाबा साहब का अपमान किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास देश में दलितों और वंचितों का अपमान करने का रहा है, कांग्रेस का इतिहास तुष्टीकरण के आधार पर दलितों और वंचितों को उनके अधिकारों से पूरी तरह रोकने की चेष्टा का हिस्सा रहा है।

तुष्टीकरण के आधार पर देश को विभाजन की कगार पर पहुंचाने का काम कांग्रेस ने किया। जवाहर लाल नेहरू नहीं चाहते थे कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर संविधान सभा का हिस्सा बनें।

बीजेपी के लिए बुरे सपने से कम नहीं हैं दिल्ली की ये 11 विधानसभा सीटें, मतदाताओं ने कभी नहीं खिलाया कमल

दिल्ली फतह की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी की राह में विधानसभा की 11 सीटें रोड़ा बनी हुई हैं। 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली की इन 11 सीटों पर पार्टी अब तक खाता तक नहीं खोल पाई है। इन सीटों की वजह से ही 2013 में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी होकर भी सत्ता से दूर हो गई थी।दिल्ली फतह की तैयारी में जुटी भारतीय जनता पार्टी की राह में विधानसभा की 11 सीटें रोड़ा बनी हुई हैं। 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली की इन 11 सीटों पर पार्टी अब तक खाता तक नहीं खोल पाई है। 11 में से 5 सीटें तो दलित बहुल है। इन सीटों की वजह से ही 2013 में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी होकर भी सत्ता से दूर हो गई थी। बीजेपी दिल्ली की सत्ता में 2013 में सिर्फ 4 सीटों की वजह से नहीं आ पाई थी। ऐसे माहौल में राजधानी दिल्ली की 11 सीटें पार्टी के लिए काफी अहम हैं। जिसमें 4 सीट मुस्लिम बहुल और दो सीट सामान्य कैटेगरी की है। 1. ओखला– मुस्लिम बहुल ओखला सीट पर भी बीजेपी कभी नहीं जीत पाई है। ओखला साउथ–ईस्ट दिल्ली की विधानसभा सीट है। 1993 में यहां भी विधानसभा का पहला चुनाव कराया गया था। ओखला सीट पर जनता दल, कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और आम आदमी पार्टी को जीत मिल चुकी है। बीजेपी 2015 और 2020 में यहां दूसरे नंबर रही थी।2. अंबेडकर नगर– दलितों के लिए रिजर्व अंबेडकर नगर सीट पर भी बीजेपी अब तक खाता नहीं खोल पाई है। अंबेडकर नगर सीट भी 1993 में अस्तित्व में आई थी। कांग्रेस 2013 तक इस सीट से जीत हासिल करती रही। 2013, 2015 और 2020 में आम आदमी पार्टी को यहां जीत मिली। विधानसभा के हर चुनाव में बीजेपी यहां पर दूसरे नंबर पर रहती है।3. बल्लीमारन– मशहूर शायर मिर्जा गालिब से जुड़ी बल्लीमारन की सीट भी बीजेपी के लिए चुनौतीपूर्ण ही रही है। इस सीट पर भी बीजेपी अब तक जीत नहीं पाई है। 1993 से अब तक यहां या तो कांग्रेस या आम आदमी पार्टी को जीत मिली है। बल्लीमारन की सीट मुस्लिम बहुल है।4. मटिया महल– सेंट्रल दिल्ली की मटिया महल सीट पर भी बीजेपी अब तक चुनाव नहीं जीत पाई है। मटिया महल भी मुस्लिम बहुल सीट है। 1993 से लेकर अब तक इस सीट पर आम आदमी पार्टी, जनता दल सेक्युलर, जनता दल यूनाइटेड और लोक जनशक्ति पार्टी ने ही जीत हासिल की है।5. सुल्तानपुर माजरा– नॉर्थ–वेस्ट दिल्ली की सुल्तानपुर माजरा सीट दलितों के लिए आरक्षित है। विधानसभा की इस सीट पर भी बीजेपी अब तक जीत नहीं दर्ज कर पाई है। 1993 में पहली बार यहां चुनाव कराए गए थे। 2013 तक यहां कांग्रेस और 2015 से 2020 तक आप ने जीत दर्ज की।6. मंगोलपुरी– नॉर्थ–वेस्ट दिल्ली की मंगोलपुरी सीट भी दलितों के लिए रिजर्व सीट है। यहां भी बीजेपी का खाता अब तक नहीं खुला है। 1993 से 2008 तक यहां कांग्रेस और 2013 से 2020 तक आप ने जीत दर्ज की।7. सीलमपुर– नॉर्थ–ईस्ट दिल्ली की सीलमपुर सीट मुस्लिम बहुल है। 1993 में इस सीट पर पहली बार विधानसभा के चुनाव कराए गए थे। तब से अब तक यहां बीजेपी जीत नहीं पाई है। सीलमपुर में एक बार जनता दल, एक बार निर्दलीय, 3 बार कांग्रेस और 2 बार आम आदमी पार्टी को जीत मिली है। दिलचस्प बात है कि जीत यहां किसी को भी मिले, लेकिन दूसरे नंबर पर हर बार बीजेपी ही रहती है।8. कोंडली– पूर्वी दिल्ली की यह सीट दलित समुदाय के लिए रिजर्व है। 2008 में यहां पर पहली बार चुनाव कराए

अबदरपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी को खलेगी बिधूड़ी की कमी

एजेंसीं

दिल्ली विधानसभा चुनावों में दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र की बदरपुर विधानसभा सीट पर पहली बार ऐसा होगा कि यहां भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी चुनावी मैदान में नहीं होंगे। इस सीट के अस्तित्व में आने के बाद से बिधूड़ी और आप के राम सिंह नेताजी के बीच ही मुकाबला रहा है।अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनावों में दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र की बदरपुर विधानसभा सीट पर पहली बार ऐसा होगा कि यहां भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी चुनावी मैदान में नहीं होंगे। इस सीट के अस्तित्व में आने के बाद से बिधूड़ी और आप के राम सिंह नेताजी के बीच ही मुकाबला रहा है। बदरपुर में हुए कुल सात चुनावों में से रामवीर सिंह बिधूड़ी ने चार और रामसिंह नेताजी ने दो बार जीत का स्वाद चखा है। इस बार बुहुत मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है। आप ने बदरपुर से रामसिंह नेताजी को प्रत्याशी बनाया है। यहां से विधायक रहे बिधूड़ी के दक्षिणी दिल्ली सीट से सांसद बनने के बाद भाजपा को मजबूत प्रत्याशी की दरकार होगी। साल 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में दक्षिणी दिल्ली की 10 से नौ सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी जीते थे। भाजपा के खाते में बदरपुर सीट आई थी। यहां से रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आप के रामसिंह नेता जी को हराकर बाजी मारी थी। इस बार परिस्थितियां अलग हो गई हैं। आप ने फिर से रामसिंह नेताजी पर भरोसा जताया है। ऐसे में भाजपा को मजबूत प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारना होगा। 1993 में हुए पहले चुनाव में बदरपुर विधानसभा सीट पर रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जनता दल के प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की थी। उस समय दूसरे नंबर पर रामसिंह नेताजी रहे थे। वह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे। भाजपा के प्रत्याशी लज्जा राम तीसरे नंबर पर रहे थे। अगले चुनाव में निर्दलीय जीते थे रामसिंह नेताजीबदरपुर सीट पर 1998 में हुए दूसरे चुनाव में रामसिंह नेताजी ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत दर्ज की थी। उन्हें 45.50 फीसदी वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर रामवीर सिंह बिधूड़ी रहे थे। तब वह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े थे। भाजपा के सूरजभान तीसरे नंबर पर रहे थे।2013 में पहली बार भाजपा का खाता खुला इस सीट पर पहले तीन चुनाव में तीसरे नंबर पर रहने वाली भाजपा का खाता पहली बार 2013 में खुला। भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रामसिंह नेताजी को हराया था।

नोटिस लिखने वाले ने जंग लगे चाकू का किया इस्तेमाल... विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर जगदीप धनखड़ का तंज

एजेंसी।

नइ दिल्ली एक कार्यक्रम में जगदीप धनखड़ ने कहा कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ नोटिस देखिए। विपक्ष पर तंज भरे लहजे में उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जी ने कहा था, सब्जी काटने के चाकू से बाईपास सर्जरी कभी मत करना.. वो तो सब्जी काटने का चाकू भी नहीं था। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को उनके खिलाफ खारिज किए गए श्अविश्वासश प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विपक्ष ने सब्जी काटने वाले चाकू से बाईपास सर्जरी करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि किसी भी संवैधानिक स्थिति को उदात्तता, उत्कृष्ट गुणों और संवैधानिकता के प्रति प्रतिबद्धता द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए। हम हिसाब बराबर करने की स्थिति में नहीं हैं। एक कार्यक्रम में जगदीप धनखड़ ने कहा कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ नोटिस देखिए। विपक्ष पर तंज भरे लहजे में उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर जी ने कहा था, सब्जी काटने के चाकू से बाईपास सर्जरी कभी मत करना.. वो तो सब्जी काटने का चाकू भी नहीं था। मेरा नोटिस जिसने लिखा उसके चाकू पे जंग लगा हुआ था! मैं पढ़कर दंग रह गया। पर मुझे आश्चर्य हुआ की आपमें से किसी ने पढ़ा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि खबर वो है जिसको कोई छिपाना चाहता है।धनखड़ ने कहा कि आप आखिरी उम्मीद हैं क्योंकि लोकतंत्र की सफलता के लिए दो चीजें अपरिहार्य हैं। पहला है अभिव्यक्ति का अधिकार। यदि अभिव्यक्ति योग्य है, समझौता किया गया है या जबरदस्ती के अधीन है, तो यह लोकतांत्रिक विकास के विपरीत है। दूसरा है संवाद। इसका मतलब यह है कि अपने स्वरयंत्रों का उपयोग करने से पहले, आपको अपने कानों को दूसरे दृष्टिकोण का मनोरंजन करने की अनुमति देनी होगी। यदि ये दोनों चीजें नहीं होंगी तो लोकतंत्र न तो पोषित हो सकता है और न ही पुष्पित–पल्लवित हो सकता है। उपराष्ट्रपति ने सवाल करते हुए कहा कि क्या आपने पिछले कुछ दशकों में संसद में कोई बड़ी बहस देखी है? क्या आपने सदन में किये गये किसी महान योगदान पर ध्यान दिया है? हम गलत वजह से खबरों में हैं। हमने व्यवस्था के साथ जीना सीख लिया है, जो कि अव्यवस्था ही है। हालाँकि, जवाबदेही मीडिया द्वारा लागू की जानी चाहिए क्योंकि बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुँचने के लिए मीडिया ही एकमात्र माध्यम है। मीडिया लोगों के साथ जुड़ाव स्थापित कर सकता है और जन प्रतिनिधियों पर दबाव बना सकता है, जहां हमें लोकतंत्र के इन मंदिरों की पवित्रता का सम्मान करने की आवश्यकता है।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल नहीं होना संविधान का उल्लंघन नहीं,

एजेंसी

मणिपुर इंफाल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बसंत कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा संविधान और मणिपुर विधानसभा के अनिवार्य प्रावधानों को लागू करने के लिए पूर्ण प्रयास किए हैं। मणिपुर के कानून मंत्री बसंत कुमार सिंह ने कांग्रेस के आरोपों का खंडन किया और कहा कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र नहीं बुलाने से किसी संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन नहीं हुआ है। मणिपुर कांग्रेस अध्यक्ष ओ

इबोबी सिंह ने कहा था कि राज्य सरकार शीतकालीन सत्र न बुलाकर संविधान का उल्लंघन कर रही है। इंफाल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, बसंत कुमार सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा संविधान और मणिपुर विधानसभा के अनिवार्य प्रावधानों को लागू करने के लिए पूर्ण प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 174 के अनुसार विधानसभा की हर साल कम से कम दो बैठकें होनी चाहिए और दोनों सत्रों के बीच छह महीने का अंतर नहीं होना चाहिए। मंत्री ने आगे स्पष्ट किया कि मणिपुर विधानसभा के अनुच्छेद 17ए के तहत, सदन को संविधान के अनुच्छेद 174 के अधीन, सालाना तीन सत्र आयोजित करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि चूंकि मणिपुर विधानसभा के नियम और प्रक्रियाएं संविधान के अनुच्छेद 174 के अधीन हैं, इसलिए इसे विधानसभा के अनुच्छेद 17ए पर प्राथमिकता दी जाती है। इसलिए, राज्य सरकार ने दो विधानसभा सत्र

जयपुर हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 15 हुई, 18 गंभीर हालत में अभी भी

एजेंसी

जयपुर में गैस टैंकर हादसे में शामिल चालक जयवीर को पुलिस के सामने पेश हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) जयवीर से पूछताछ करेगा। उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला जयवीर हादसे के समय टक्कर से होने वाले नुकसान को भांपते हुए समय रहते ही गैस टैंकर से निकल गया था। एलपीजी से भरे टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी, जिससे टैंकर के नोजल टूट गए और उनसे गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव से लगी भीषण आग ने आसपास के 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया।जयपुर में एलपीजी टैंकर विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है, जबकि दो और लोगों ने मंगलवार को सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में दम तोड़ दिया। एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. राकेश जैन ने कहा कि मरने वालों की संख्या अब 15 हो गई है। दो मृतकों की पहचान एटा (उत्तर प्रदेश) के नरेश बाबू और नूंह (हरियाणा) के यूसुफ के रूप में हुई है।जयपुर में गैस टैंकर हादसे में शामिल चालक जयवीर को पुलिस के सामने पेश हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना की जांच कर रहा विशेष जांच दल (एसआईटी) जयवीर से पूछताछ करेगा। उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला जयवीर हादसे के समय टक्कर से होने वाले नुकसान को भांपते हुए समय रहते ही गैस टैंकर से निकल गया था। एलपीजी से भरे टैंकर को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी, जिससे टैंकर के नोजल टूट गए और उनसे गैस का रिसाव होने लगा। गैस रिसाव से लगी भीषण आग ने आसपास के 35 से अधिक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया।

सम्पादकीय...

वाइट–कालर कर्मियों की आम समस्या

निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की बढ़ती गई समस्याओं की जड़ में आज का आर्थिक ढांचा है। दुनिया भर में श्रमिक वर्ग इस ढांचे का ऐसा ही प्रभाव देखने को मिला है। इसलिए विनियमन स्वागतयोग्य है, इससे कुछ लाभ होगा, मगर यह पर्याप्त नहीं है। महाराष्ट्र और कर्नाटक की सरकारें ऑफिस कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए सख्त नियमों और उन पर अमल के निरीक्षण की तैयारी में हैं। यह कदम अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की एक युवा कर्मचारी की मौत के बाद उठाया जा रहा है। तब उस मौत का कारण काम का अत्यधिक दबाव बताया था। भारत में वाइट–कॉलर यानी दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए सुरक्षा के नियम लगभग ना के बराबर हैं। उदारीकरण के दौर में, जब कंपनियों ने मुनाफा बढ़ाने के लिए कॉस्ट कटिंग की पॉलिसी अपना ही है, तब कम कर्मचारियों से अधिक काम लेना आम चलन बन गया है। जो कर्मचारी इसमें पिछड़ते हैं, उनकी नौकरी खतरे में पड़ जाती है। अनियमित घंटों तक काम और मनमानी बर्खास्तगी आज वाइट–कॉलर कर्मियों की आम समस्या है। इसका बहुत खराब असर खासकर युवा कर्मियों पर पड़ा है। ईवाई कर्मचारी की मौत के बाद ये सारे मुद्दे बहुचर्चित हुए थे। उसका प्रभाव सरकारों पर पड़ा है। कर्नाटक में अधिकारियों ने निजी कंपनियों में ऑफिस में कामकाज की स्थिति की जांच शुरू की है। महाराष्ट्र में भी एक ऐसा प्रस्ताव विचाराधीन है। बताया गया है कि प्रस्तावित नियम कंपनियों में नियुक्ति और बर्खास्तगी की प्रक्रियाओं की विनियमित नियंत्रित करेगा। इसमें सभी कॉरपोरेट कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा। उनमें मैनेजर स्तर स्टाफ भी शामिल होंगे। कर्नाटक के अधिकारियों का कहना है कि यह कदम कर्मचारियों की अत्यधिक काम की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। यह तथ्य है कि भारत में युवा आत्म–हत्या के मामले बढ़े हैं। किशोरों और युवाओं के बीच मृत्यु का चौथा सबसे प्रमुख कारण कामकाज का बढ़ा दबाव है। बेशक ये आंकड़े भारत में मानसिक स्वास्थ्य और युवाओं में बढ़ते तनाव का संकेत हैं। बहरहाल, अहम सवाल है कि क्या कानून या विनियम लागू करने से ऐसी समस्याओं का समाधान हो सकता है? वाइट कॉलर हों या ब्लू कॉलर कर्मी, उनकी बढ़ती गई समस्याओं की जड़ में आज का आर्थिक ढांचा है। दुनिया भर में श्रमिक वर्ग इस ढांचे का ऐसा ही प्रभाव देखने को मिला है। इसलिए विनियमन स्वागतयोग्य है, इससे कुछ लाभ होगा, मगर यह पर्याप्त नहीं है।

केबल चोरी के तरीके ने बेरोजगारों को प्रेरित किया

पिछले वर्ष से चोरों ने अपनी आजीविका का नया फार्मूला ईजाद कर लिया है। बेरोजगारी में चोरों ने दिल्ली की लाइफलाइन को अपना रोजगार बना लिया है। चोरों को इससे यह चिंता नहीं हुई कि मेट्रो से सफर करने वालों को तकलीफ झेलनी पड़ेगी।सारे दिल्ली के ऑफिसों में काम करने वाले लोग अपनी रोजी–रोटी के लिए सुबह काम पर जाते वक्त जगह–जगह जाम झेल रहे थे, कारण था मेट्रो के केबल चोरों ने रात में ही उन केबलों को काट दिया था जिनसे मेट्रो अपना रास्ता तय करती है। इस कारण वे अपने ऑफिस समय पर नहीं पहुंच सके। इतना ही नहीं, जिन्हें बाहर जाना था–उनकी ट्रेनें और फ्लाइटें भी मिस हुई। इस काम के लिए फिलहाल मेट्रो की ब्ल्यू लाइन पर लगातार धावा बोला गया। हालांकि बहुत समय बाद पुलिस को सफलता मिली है। इन केबल चोरों को पकडने और इन घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग के सदस्यों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया है। बीते दिनों मेट्रो ट्रैक पर केबल चोरी होने से केबल और चोरी में इस्तेमाल गाडियों को पुलिस ने बरामद कर दिया है। यह काम बहुत समय बाद हुआ है। इससे पूर्व चोरों ने मेट्रो लाइन को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पता चला कि कीर्ति नगर और मोती नगर मेट्रो स्टेशन के बीच सिग्नलिंग केबल चोरी होने की सूचना मिली थी।पुलिस ने इस मामले में बीएनएस और डीएमआरसी अधिनियम की धारा 74 के तहत मामला दर्ज किया था। इस वारदात में शामिल गिरोह के 11 में से चार 4 सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की गई 55 मीटर लंबी केबल, टाटा एस लोडर वाहन और दो मोबाइल फोन बरामद किए थे। घटना स्थल से पता चला कि वहां पर 140 मीटर लंबी केबल काटी गई थी।

संसद की कार्य उत्पादकता का लगातार कम होना संसदीय प्रणाली को विफल कराने की साजिश है

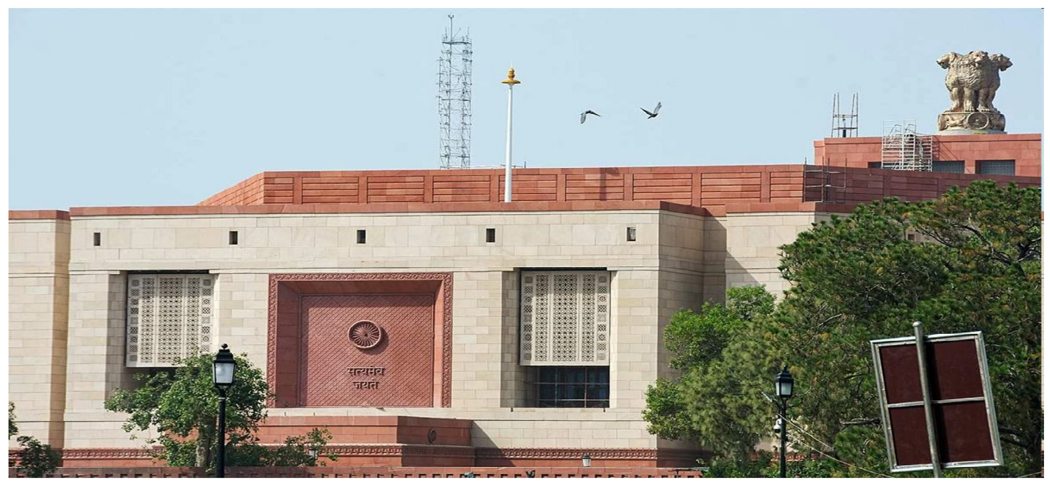

बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। संसद का शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा एक दूसरे को अपनी अपनी ताकत दिखाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अडाणी मुद्दे को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ संसद का सत्र अम्बेडकर मुद्दे पर हंगामे के साथ खत्म हुआ। सत्र के दौरान संविधान पर चर्चा जरूर हुई लेकिन संसदीय व्यवधान का नया रिकॉर्ड भी बना दिया गया। 20 दिनों के इस सत्र के रिपोर्ट कार्ड की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। लोकसभा इन 20 दिनों में चार विधेयक ही पारित कर पाई। राज्यसभा में तो 40.03 प्रतिशत ही कामकाज हो सका और पूरे सत्र में कुल दो विधेयक पारित हुए। बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई? देखा जाये तो वर्तमान संसद का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। इससे पिछली लोकसभा के भी लगभग सभी सत्र हंगामेदार रहे थे। पिछले कुछ सत्रों की कार्य उत्पादकता पर गौर करें तो जो आंकड़े सामने आते हैं वह चिंताजनक स्थिति को दर्शाते हैं। सत्र की कार्य उत्पादकता का 45:, 35 प्रतिशत और 24 प्रतिशत के आसपास रहने से हमारी संसदीय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हो रहे हैं। सदन में जो कामकाज होता है वो भी हंगामे के बीच होता है यानि शोरशराबे के बीच क्या नए कानून बन गए यह देश को पता ही नहीं चल पाता। साथ ही संसद के कामकाज का प्रतिशत लगातार कम होते जाने से एक सवाल और खड़ा होता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दर्शाना चाहते हैं? कहीं हमारी संसदीय प्रणाली को विफल कराने के लिए कोई साजिश तो नहीं की जा रही है? विपक्ष लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता। देखा जाये तो अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की उम्मीदों और सरकारी खजाने से धन की बर्बादी की ही नहीं है, बात अब यह भी है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये? वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें? बहरहाल, पिछले वर्ष संसदीय व्यवधान पर 'पीड़ा' व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 'लोकतंत्र के मंदिर' में ऐसे आचरण के विरुद्ध माहौल और जनमत तैयार करने के लिए जनांदोलन चलाने का जो आह्वान किया था वह आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। संसद के कामकाज में लगातार व्यवधानों के चलते कीमती समय तो बर्बाद होता ही है साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर जवाब देने से सरकार को भी बचने का अवसर मिल जाता है। इसलिए उपराष्ट्रपति की ओर से किये गये आह्वान से देश की जनता को जुड़ना चाहिए और जनप्रतिनिधियों को यह अहसास कराना चाहिए कि सदन चर्चा के लिए बने हैं ना कि हंगामे और अपने राजनीतिक हित साधने के लिए।

धर्म के प्रति निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर रोकेगा कौन ?

अब जरा सोचिए, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, लेकिन यदि वह प्राणी बद्धध्मानव बद्ध पर उदासीन रहता है, कुतर्क करता है तो इसका दोषी सरकार नहीं है तो कौन है? क्योंकि जनता को भी तो जागरूक करना उसी का कार्य है। धर्म और अधर्म के बीच मौजूद सूक्ष्म विभाजन को स्पष्ट करते हुए लोक रचयिता गोस्वामी तुलसीदास महाकाव्य रामचरित मानस में लिखते हैं कि श्परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई।श यानी कि दूसरों का हित सोचना–करना ही धर्म है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना ही अधर्म है। जहां तक भारत और उसकी धर्मनिरपेक्षता का सवाल है तो खुद आरएसएस और उसका राजनीतिक संगठन भाजपा (जनसंघ का परिवर्तित स्वरूप) इस पर सवाल उठाते हुए तत्कालीन सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस और समाजवादी दलों की सरकारों पर तुष्टिकरण के आरोप मढ़ती आई है। इससे स्पष्ट है कि धर्म के प्रति बढ़ती निरपेक्षता से बढ़ते अधर्म को आखिर कौन रोकेगा, यह यक्ष प्रश्न है और इस नीतिगत सवाल पर आरएसएस को ढुलमुल नहीं, बल्कि स्पष्ट रवैया अपनाना चाहिए। चूंकि वह विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है, दुनिया के सबसे पुराने धर्म सनातन धर्म के आधार पर जीवन पद्धति को विकसित करने और प्राणी मात्र की रक्षा करने का वह पक्षधर रहा है, इसलिए उसके रवैए से देश सहित विश्व का जनमत प्रभावित होता है। क्योंकि वह अमूमन तार्किक और लोकहितैषी बातें करता आया है। उसकी शाखाओं की दिनचर्या समाज के लिए भी सेहतमंद साबित होती आई हैं। भाजपा को इस मुकाम तक पहुंचाने में उसकी मेंटर की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। अब जरा सोचिए, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, लेकिन यदि वह प्राणी बद्धध्मानव बद्ध पर उदासीन रहता है, कुतर्क करता है तो इसका दोषी सरकार नहीं है तो कौन है? क्योंकि जनता को भी तो जागरूक करना उसी का कार्य है। गाहे बगाहे होने वाले सांप्रदायिक, जातीय, क्षेत्रीय या आपराधिक हिंसा–प्रतिहिंसा की बातों को कुछ देर के लिए विराम भी दे दिया जाए, क्योंकि मानवीय सनक को काबू में रखना किसी भी प्रशासन के लिए जटिल कार्य है। फिर भी इस पर सियासी कारणों से रोक नहीं लगाना भी अधर्म है। वहीं, ऐसी ही हिंसक प्रवृत्ति से जुड़ा एक पूरक सवाल है कि यदि भारत सरकार पशु–पक्षी बद्ध के लिए लाइसेंस जारी करती है या फिर इस तरह की मिलीजुली मानवीय प्रवृत्ति पर खामोश रहती है तो मेरे विचार में वह एक अधार्मिक प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रही है और इससे उसका प्रशासन भी प्रभावित होगा। मेरा मानना है कि यदि देशवासियों को सही शिक्षा दी जाएगी, तो पुलिस व सैन्य खर्च में भारी कमी स्वतः आ जाएगी। आज यदि देश की जनता नाना प्रकार की नैतिक–भौतिक त्रासदी से जूझ रही है तो इसके पीछे उसकी धर्मनिरपेक्ष भावना ही है। जिसके चलते देशवासियों को सही शिक्षा की डिलीवरी नहीं हो पा रही है। आश्चर्य होता है कि इसके बावजूद भी हमारे धर्मनिरपेक्ष नेता मदमस्त हैं। वो यह नहीं समझ पा रहे हैं कि हमारे देश में कौन सा धर्म सही शिक्षा दे रहा है और कौन सा धर्म भड़काऊ शिक्षा दे रहा है। इनकी शिनाख्त करके उसे सही राह पर चलने के लिए भारत का प्रशासन विवश नहीं करेगा, तो कौन करेगा। आप धर्मनिरपेक्ष हैं, बहुत अच्छी बात है। लेकिन आप प्रकृति धर्म, प्राणी धर्म और मानव धर्म से निरपेक्ष नहीं हो सकते, क्योंकि इसका सम्मिलित स्वरूप ही राजधर्म है। मनुष्यों को नियंत्रित रखने के लिए किसी न किसी धर्म की जरूरत होती है, जो उन्हें अधार्मिक होने से रोकता है। हिंसक प्रवृत्ति अधार्मिक है, भोगवाद अधार्मिक है, क्योंकि इससे रोग उतपन्न होता है और बढ़ता है। वहीं, अहिंसा, त्याग और सेवा की भावना धार्मिक है, जिसे बढ़ावा देना चाहिए। यह प्राकृतिक गुण है, मानवीय गुण है और प्राणी मात्र के लिए हितैषी है। इस नजरिए से सनातन धर्मधहिन्दू धर्म इसका वाहक समझा जाता है। चूंकि हमारी सरकार धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए वह इन नैसर्गिक गुणों से भी निरपेक्ष होना चाहती है, जो तमाम जन–समस्याओं की जननी है। इसलिए सवाल उठता है कि जिन्होंने हमें हिन्दू राष्ट्र और सनातनी सोच के सपने दिखाए, उन्हें भी जब देशवासियों ने कुछ अच्छा कर गुजरने के मौके दिये तो वो भी किंकर्तव्यविमूढ़ हो गए। क्या सत्ता के दुर्गुणों ने उन्हें भी अपने मायाजाल में फंसा लिया और अब वे दुष्टों के बढ़ते प्रभाव के वशीभूत होकर धर्मनिरपेक्ष होने मतलब अन्याय का समर्थन करने की वकालत कर रहे हैं। सच कहूं तो इससे एक बार फिर से धर्म की सही समझ ज्ञानी जनों के न्याय के कठघरे में खड़ी है। खासकर तब, जब हिन्दू हृदय सम्राट समझे गए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, गत रविवार को अमरावती में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहते हैं कि दुनिया में धर्म के नाम पर जितने भी अन्याय, अत्याचार होते हैं

हर जगह कुम्भ के मेले जैसा नजारा

श्रुति व्यास

घूमने के सारे ठिकाने, पर्यटन स्थल चाहे कितने ही मनमोहक क्यों न हों, वहां कुंभ की रेलमपेल मची रहती है। जबकि छुट्टियों का एक मकसद भीड़–भाड़ से दूर जाना भी होता है। भारत भर में पूरे साल हर तरह के पर्यटन स्थल–बीच हों या पहाड़, तीर्थ हो या नेशनल पार्क–हमेशा बुक रहते हैं। हर जगह कुम्भ के मेले जैसा नजारा रहता है।गहरा नीला आसमान और हवा में झूमते ताड़ के वृक्ष। बालकनी से मैं जमीन पर बिछी सफेद रेत का अंतहीन सिलसिला देख सकती हूँ। धूप ठीक उतनी गर्म है, जितनी होनी चाहिए। दूर कहीं से समुद्र की लहरों के तट से टकराने की आवाज आ रही है। मै अक्सर मनपसिंदा श्रोजत्र पेय की चुस्कियां लेती हूँ और साथ–साथ बीच में चॉकलेट केक के टुकड़े भी मुंह में डालती हूँ। यहाँ की हर सुबह हेमंत जैसी है और हर शाम, वसंत जैसी। यह स्वर्ग है। यहाँ सपने हकीकत बन जाते हैं। यहाँ आनंद ही आनंद है। और मैं यहाँ तब तक रहूंगी जब तक कि सर्दी का मौसम विदा नहीं हो जाता।और फिर मेरी आँख खुलाती है!मैं तो दिल्ली में हूँ–जापान में बने गर्म कपडे पहनकर, अंग्रेज इंजीनियरों द्वारा डिजाईन किये हुए एयर प्युरिफायर के बगल में। हवा जहरीली है। और आँखें जल रही हैं, नाक बह रही है। मैं श्रोजत्र नहीं बल्कि श्काढ़ात्र पी रही हूँ। श्चॉकलेट केकत्र नहीं बल्कि श्च्यवनप्राशत्र खा रही हूँ। खिड़की के पास अपनी पसंदीदा कुर्सी पर बैठ कर आकाश में एक के बाद हवाईजहाजों को उड़ान भरते देख रही हूँ। वे अपने यात्रियों को उन सुन्दर जगहों पर ले जा रहे हैं, जहाँ के बारे में मैं केवल सोच सकती हूँ। हाय री किस्मत! मेरा मन खिन्न हो जाता है।

ईमानदारी की बात तो यह है कि दिल्ली एकदम बेदिल हो गई है। वे चीजें जो दिल्ली को एक आकर्षण, एक चरित्र और एक व्यक्तित्व देती थीं, गुमशुदा हैं। यहाँ बहुत ज्यादा लोग हैं, बहुत ज्यादा। हर जगह को खोद डाला गया है, मोहल्लों–सड़कों के नाम बदल दिए गए हैं, नल का पानी काला होता है, हवा काली हो गई है। यह शहर अब चाट प्रेमियों का स्वर्ग नहीं रहा। अब यहाँ मोमो का राज है। अजीब सी मूर्तियाँ–बेढब और निरीह सी–कई जगह ऊग आईं हैं। नई उम्र के लड़के–लड़कियों को वे रील बनाने के लिए एकदम उपयुक्त लगती हैं।शहर में इतनी भीड़ है कि इटली के दूतावास में बड़े दिन, क्रिसमस के मेले में घुसने पर ऐसा लगता है मानों आप कुम्भ मेले में हों। यह शहर एक समय उत्कृष्ट संस्कृतियों और पाक शैलियों का गुलदस्ता था, उनका मिलन स्थल था। अब यहाँ जहर है–हवा में भी और लोगों के दिलों में भी। मैं अपने आप को भाग्यवान मानती हूँ कि मैं उस दिल्ली में पली–बढ़ी जो सदियों से सत्ता का केंद्र थी, जिसकी अपनी शान थी, जो अपने लोगों, अपनी इमारतों और अपने खान–पान के लिए जानी जाती थी।

फिल्मी दुनिया/सेहत

पुष्पा 2 ने लगाई लंबी छलांग, घरेलू बाक्स आफिस पर 1100 करोड़ की ओर बढ़ रही अल्लू अर्जुन की फिल्म

सुकुमार की निर्देशित फिल्म पुष्पा 2रू द रूल अपने तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी हैं. तीसरे वीकेंड में भी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है. हालांकि फिल्म के मुख्य कलाकार अल्लू अर्जुन भगदड़ मामले में कई मुद्दों का सामना कर रहे हैं. इसके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी है. सैकनिलक की रिपोर्ट के अनुसार पुष्पा 2 ने अपने तीसरे रविवार को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1060 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है.सैकनिलक रिपोर्ट के अनुसार, पुष्पा 2रू द रूल ने अपने तीसरे शनिवार को सभी भाषाओं में लगभग 24.75 करोड़ कमाए. वहीं, रविवार को फिल्म के कलेक्शन में इजाफा देखने को मिला. 18वें दिन अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 33. 25 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद पुष्पा 2 का भारत में कुल 1062.9 करोड़ रुपये हो गया है. इसी के साथ पुष्पा 2 भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. इसने बाहुबली 2 (1030.42 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ दिया है.पुष्पा 2 बाकी भाषाओं की अपेक्षा हिंदी भाषा में अच्छा परफॉर्म कर रही हैं. हिंदी बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 700 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है. मेकर्स के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे शुक्रवार तक हिंदी भाषा में कुल 654 करोड़ रुपये कमाए. वही, सैकनिलक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 17वें और 18वें दिन क्रमशरू 20 करोड़ रुपये और 26.75 करोड़ रुपये की कमाई की. इस तरफ पुष्पा 2 ने 18 दिनों में भारत में कुल 691.75 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. आने वाले दिनों में निर्देशक कलीस की बेबी जॉन, जिसमें वरुण धवन , कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी मुख्य भूमिका में हैं, रिलीज होने वाली है. यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या एटली की निर्मित नई फिल्म पुष्पा 2 के शो कम कर पाएगी या नहीं.इस बीच, तेलंगाना सरकार के साथ अल्लू अर्जुन की जुबानी जंग सुर्खियों में बनी हुई है, और ऐसा लगता है कि यह एकमात्र ऐसी खबर है जो पुष्पा 2रू द रूल की शानदार सफलता को फीका कर सकती है

गौहर खान ने शो लवली लोला को बताया कमाल, टीम के साथ की खूब मस्ती

मनोरंजन जगत की खूबसूरत अभिनेत्री गौहर खान अपने आगामी शो श्लवली लोलात्र की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। शो के प्रमोशन में जुटी अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक से बढ़कर एक पोस्ट साझा कर रही हैं। गोहर ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह टीम के साथ खूब मस्ती करती नजर आईं।सोशल मीडिया पर अक्सर मजेदार पोस्ट साझा करने वाली अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम पर एक और मजेदार पोस्ट को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, लोला के साड़ी और लवली लोला का क्रू, दोनों ही कमाल। यूट्यूब पेज पर जल्दी आ रही है। 25 दिसंबर से, जल्दी करो आप।वीडियो में गौहर खान, क्रेटेक्स, क्रुणाल घोरपड़े के मराठी गाने श्तांबडी चामडीत्र पर अपनी टीम के साथ थिरकती नजर आईं। इस गाने को क्रेटेक्स–क्रुणाल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल श्रेयस सागवेकर ने लिखे और गाए हैं। बिग बॉस विजेता गौहर खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री जल्द ही श्लवली लोलात्र में नजर आने वाली हैं। इस शो में गौहर के साथ इशा मालवीय लीड रोल में हैं। गौहर इस शो में 21 साल की मां के किरदार में नजर आएंगी। कॉमेडी से भरपूर इस शो में मां–बेटी के बीच खटपट होती दिखाई देगी। शो का निर्माण रवि दुबे और शरगुन मेहता ने किया है। शो का प्रोमो हाल ही में रिलीज हुआ है। शो यूट्यूब चौनल ड्रीमियता ड्रामा पर स्ट्रीम होगा। लवली लोला शो का पहला एपिसोड 25 दिसंबर को स्ट्रीम होगा।बता दें कि गौहर खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर ट्रेंडिंग रील बनाती रहती हैं। अभिनेत्री का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी मजेदार पोस्ट से भरा पड़ा है। हाल ही में गौहर खान ने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह नीति मोहन–साद लैमजारेड के गाने होमा डोल पर थिरकती नजर आई थीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर डांस का वीडियो साझा कर कैप्शन में लिखा था, मुझे साद लैमजारेड और नीति मोहन का नया गाना बहुत पसंद आया था। ट्रेंडिंग रिल्स, होमा डोल। श्होमा डोलत्र से पहले गौहर कीर्ति सुरेश और वरुण धवन स्टारर श्बेबी जॉनत्र के गाने श्नैन मटक्कात्र पर अभिनेता करण ग्रोवर के साथ थिरकती नजर आई थीं।

शार्ट ड्रेस पहन जाह्नवी कपूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा, एक्ट्रेस की हाटनेस देख यूजर्स ने लूटाया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर आए दिन अपनी ग्लैमरस और हॉट फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने बेहद ही सिजलिंग फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।बी–टाउन की खूबसूरत अभिनेत्री जाह्नवी कपूर हमेशा अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में भी लोग लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बेहद ही बोल्ड ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने पिंक कलर की बहद ही बोल्ड ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है,?? जिसमें वो एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक लाखों यूजर्स ने लाइक कर दिया है। वहीं, कुछ यूजर्स कॉमेंट्स और रिएक्शंस के जरिए दिलखोलकर अपना प्यार लूटा रहे हैं।एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है– सो हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है– बोल्ड एंड ब्यूटिफुल। तीसरे यूजर ने लिखा है– सो ब्यूटिफुल।

बड़ा हादसा, फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, 12 की मौत

बालिकेसिर के गवर्नर इस्माइल उस्तोग्लू ने कहा कि विस्फोट से कैप्सूल उत्पादन इमारत ढह गई और आसपास की इमारतों को मामूली क्षति हुई।उत्तर पश्चिम तुर्की में एक हथियार कारखाने में मंगलवार सुबह हुए विस्फोट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और चार घायल हो गए। सरकारी अनादोलु एजेंसी के अनुसार, यह विस्फोट बालिकेसिर प्रांत में स्थित फैक्ट्री की कैप्सूल उत्पादन सुविधा में हुआ। बालिकेसिर के गवर्नर इस्माइल उस्तोग्लू ने कहा कि विस्फोट से कैप्सूल उत्पादन इमारत ढह गई और आसपास की इमारतों को मामूली क्षति हुई। स्थानीय गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने पुष्टि की कि विस्फोट बालिकेसिर प्रांत के करेसी जिले में हुआ। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, 12 कर्मचारियों की मौत हो गई, और चार अन्य को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मैं हमारे मृत नागरिकों पर ईश्वर की दया और हमारे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। बाद में घायलों की संख्या संशोधित कर पांच कर दी गई और अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनकी चोटें जीवन के लिए खतरा नहीं थीं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि विस्फोट के समय फैक्ट्री के अंदर कोई कर्मचारी नहीं था और आग बुझा दी गई थी। विस्फोट, जो सुबह 8रू25 बजे (0525 ळडज) हुआ, विस्फोट की ताकत के कारण संयंत्र का एक हिस्सा ढह गया। आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने उल्लेख किया कि विस्फोट का कारण अभी भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि हम यह निर्धारित करने की कोशिश कर रहे हैं कि इसका कारण क्या था।

जमा हुए 60 हजार रोहिंग्या, अराकान आर्मी ने मचाई तबाही

बांग्लादेश की सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है कि हम उन्हें शरण देने के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन हालात हमें मजबूर कर देते हैं। आराकान आर्मी की बढ़ती ताकत ने म्यांमार बांग्लादेश बॉर्डर पर हालात और बिगाड़ दिए हैं। आराकान आर्मी ने बांग्लादेश से सटे इलाकों पर कब्जा कर लिया। इन इलाकों पर पहले जुंटा सेना का नियंत्रण था। लेकिन अब ये आराकान आर्मी के हाथ में है। म्यांमार की जातिय हिंसा की आग पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित कर रही है। बात रखाइन राज्य के बढ़ते संकट और आराकान आर्मी के कहर की बात कर रहे हैं। आराकान आर्मी और जुंटा सेना की बीच संघर्ष ने हजारों रोहिंग्या मुसलमानों को देस छोड़ने पर मजबूर कर दिया। सिर्फ दो महीनों के अंदर 60 हजार से ज्यादा रोहिंग्या बांग्लादेश पहुंचे हैं। दरअसल, बांग्लादेश का रखाइन राज्य एकबार फिर हिंसा का केंद्र बन चुका है। आराकान आर्मी जो एक विद्रोही संगठन है उसने बांग्लादेश सीमा से सटे इलाकों पर कब्जा कर लिया। म्यांमार की जुंटा सेना फिर से इस इलाके को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश कर रही। इस संघर्ष के बीच हजारों रोहिंग्या और अन्य अल्पसंख्यक अपनी जान बचाने के लिए म्यांमार छोड़कर भाग रहे हैं। लगातार आराकान आर्मी रोहिंग्याओं को निशाना बना रही और उसे म्यांमार से भगा रही है। साल 2017 से शुरू हुआ रोहिंग्या संकट आज और भी गहरा हो चुका है। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में पहले से 12 लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरण ले चुके हैं। हाल ही में 60 हजार नए रोहिंग्या शरणार्थी बांग्लादेश पहुंचे। बांग्लादेशी अधिकारियों का कहना है कि ये लोग अलग अलग रास्तों और दलालों के जरिए सीमा पार कर रहे हैं। बांग्लादेश की सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है कि हम उन्हें शरण देने के पक्ष में नहीं हैं। लेकिन हालात हमें मजबूर कर देते हैं। आराकान आर्मी की बढ़ती ताकत ने म्यांमार बांग्लादेश बॉर्डर पर हालात और बिगाड़ दिए हैं। आराकान आर्मी ने बांग्लादेश से सटे इलाकों पर कब्जा कर लिया। इन इलाकों पर पहले जुंटा सेना का नियंत्रण था। लेकिन अब ये आराकान आर्मी के हाथ में है। रखाइन इलाका हमेशा से ही बुद्धिस्त लोगों का रहा है। लेकिन रोहिंग्याओं ने जब बुद्धिस्ट लोगों को मारना शुरू कर दिया तो इसका बदला लेने के लिए साल 2009 में आराकान आर्मी की स्थापना की गई। अभी तक तो ये सिर्फ रोहिंग्याओं से ही जंग लड़ रही थी। लेकिन जब से बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की सरकार आई है आराकान आर्मी ने बांग्लादेश पर भी हमले शुरू कर दिए हैं। आराकान आर्मी का मानना है कि बांग्लादेश में यूनुस सरकार आने के बाद रोहिंग्या मजबूत हो सकते हैं।

नेताओं के भी सिर कलम कर देंगे, इजरायल ने पहली बार स्वीकार की हमास नेता हानिया की हत्या कराने की बात

काट्ज ने कहा कि हमने सीरिया में असद शासन को उखाड़ फेंका है, हमने बुराई की धुरी को एक गंभीर झटका दिया है, और हम यमन में हौथी आतंकवादी संगठन को भी एक गंभीर झटका देंगे, जो आखिरी बार खड़ा हुआ है। इजराइलउ नके रणनीतिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाएगा, और हम उनके नेताओं के सिर काट देंगे। जैसा कि हमने तेहरान, गाजा और लेबनान में हनियेह, सिनवार और नसरल्ला के साथ किया था। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि इजराइल ने जुलाई में ईरान में हमास नेता इस्माइल हानियेह की हत्या की थी, जिससे गाजा में इजराइल के युद्ध और संघर्ष से हिले हुए क्षेत्र में तेहरान और उसके कट्टर दुश्मन इजराइल के बीच तनाव बढ़ गया है। इन दिनों, जब हूती आतंकवादी संगठन इजराइल पर मिसाइलें दाग रहा है। मैं अपनी टिप्पणी की शुरुआत में उन्हें एक स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं हमने हमास को हराया है, हमने हिजबुल्लाह को हराया है, हमने ईरान की रक्षा प्रणालियों को अंधा कर दिया है और उत्पादन को नुकसान पहुंचाया है। काट्ज ने कहा कि हमने सीरिया में असद शासन को उखाड़ फेंका है, हमने बुराई की धुरी को एक गंभीर झटका दिया है, और हम यमन में हौथी आतंकवादी संगठन को भी एक गंभीर झटका देंगे, जो आखिरी बार खड़ा हुआ है। इजराइलउ नके रणनीतिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाएगा, और हम उनके नेताओं के सिर काट देंगे। जैसा कि हमने तेहरान, गाजा और लेबनान में हनियेह, सिनवार और नसरल्ला के साथ किया था। यमन में ईरान समर्थित समूह इजरायल पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू करने की कोशिश करने के लिए एक साल से अधिक समय से लाल सागर में वाणिज्यिक शिपिंग पर हमला कर रहा है, उनका कहना है कि वे गाजा में इजरायल के साल भर के युद्ध में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता से काम कर रहे हैं। फिलिस्तीनी इस्लामी समूह हमास के राजनीतिक नेता की तेहरान में हत्या कर दी गई थी, जिसके लिए ईरानी अधिकारियों ने इजराइल को जिम्मेदार ठहराया था। उस समय हनियेह की हत्या के लिए इजराइल द्वारा जिम्मेदारी का कोई प्रत्यक्ष दावा नहीं किया गया था।

इधर मोदी के जय ने के लिए भरी उड़ान, उधर यूनुस को अमेरिका ने लाइन पर ले लिया, हिंदू हिंसा पर लगी खूब क्लास

संयुक्त राज्य अमेरिका के पास उत्पीड़ितों की हिमायत करने का एक पुराना इतिहास है और यह मुद्दा भी अलग नहीं होना चाहिए। जब हमें मदद के लिए वैश्विक कॉल आती है, तो हमें दुनिया के मानवाधिकारों के अग्रदूत के रूप में उचित प्रतिक्रिया देनी चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनके पूजा स्थलों पर बड़े पैमाने पर हमले को लेकर संयुक्त राज्य अमेरिका में बढ़ते आक्रोश के बीच, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से बात की और दोनों नेताओं ने मानव की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह कॉल बाइडेन प्रशासन द्वारा डोनाल्ड ट्रम्प को सत्ता सौंपने से एक महीने से भी कम समय पहले आई है, जो अगले साल 20 जनवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इससे कुछ ही दिन पहले भारतीय अमेरिकी डेमोक्रेटिक कांग्रेसी श्री थानेदार ने व्हाइट हाउस से बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या और उनके मंदिरों को नष्ट करने के मुद्दे को देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के साथ जोरदार तरीके से उठाने का आग्रह किया था। संयुक्त राज्य अमेरिका के पास उत्पीड़ितों की हिमायत करने का एक पुराना इतिहास है और यह मुद्दा भी अलग नहीं होना चाहिए। जब हमें मदद के लिए वैश्विक कॉल आती है, तो हमें दुनिया के मानवाधिकारों के अग्रदूत के रूप में उचित प्रतिक्रिया देनी चाहिए। थानेदार ने पिछले सप्ताह यूएस कैपिटल के नक्शेकदम पर संवाददाताओं से कहा कि हमें प्रधान मंत्री मुहम्मद यूनुस से शांति बहाल करने और समानता और न्याय के सिद्धांतों पर राष्ट्र के पुनर्निर्माण के अपने वादे को पूरा करने का आग्रह करना चाहिए। व्हाइट हाउस ने कहा कि कॉल के दौरान सुलिवन ने चुनौतीपूर्ण अवधि के दौरान बांग्लादेश के नेतृत्व के लिए यूनुस को धन्यवाद दिया। कॉल के रीडआउट में कहा गया कि सुलिवन ने एक समृद्ध, स्थिर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के समर्थन को दोहराया, और बांग्लादेश के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने में संयुक्त राज्य अमेरिका के निरंतर समर्थन की पेशकश की। हिंदूएक्शन ने कहा कि हिंदुओं के खिलाफ क्रूर हमलों की परेशान करने वाली खबरें लगातार सामने आ रही हैं, खासकर पिछले दो हफ्तों में, क्योंकि जमीन पर प्रभावित लोगों की ओर से मदद की गुहार लगाई जा रही है। हिंदूएक्शन के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले साढ़े पांच महीनों में जो हुआ है वह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जमात–ए–इस्लामी में अपने सहयोगियों को मुहम्मद यूनुस रोकने में विफल रहे हैं ।

परमाणु ऊर्जा संयंत्र मामले में हसीना के खिलाफ पांच अरब डालर के भ्रष्टाचार की जांच शुरू

ढाका । भ्रष्टाचार रोधी समिति ने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के गबन के आरोपों के संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के खिलाफ जांच शुरू की है। भारतीय कंपनियां बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में शामिल हैं। इसका निर्माण रूस की सरकारी कंपनी रोसातम कर रही है। बांग्लादेश में एक भ्रष्टाचार रोधी समिति ने रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के गबन के आरोपों के संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के खिलाफ जांच शुरू की है। इस संबंध में मीडिया में रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। भारतीय कंपनियां बांग्लादेश में रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण में शामिल हैं। इसका निर्माण रूस की सरकारी कंपनी रोसातम कर रही है। रूस द्वारा डिजाइन किया गया पहला बांग्लादेशी परमाणु ऊर्जा संयंत्र, रूपपुर बांग्लादेश की राजधानी ढाका से 160 किलोमीटर पश्चिम में बनाया जा रहा है। 'बीडीन्यूज' ने रविवार को बताया कि हसीना के साथ उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय और उनकी भांजी एवं ब्रिटेन की वित्त मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक से भी पूछताछ की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के गबन का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटनाक्रम उच्च न्यायालय द्वारा एक नियम जारी करने के दो दिन बाद हुआ है, जिसमें पूछा गया था कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना से हसीना, जॉय और ट्यूलिप द्वारा मलेशियाई बैंक को पांच अरब अमेरिकी डॉलर के कथित हस्तांतरण पर भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) की निष्क्रियता को अवैध क्यों न घोषित किया जाए। एसीसी दस्तावेजों के अनुसार, रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों को नेशनल डेमोक्रेटिक मूवमेंट (एनडीएम) के अध्यक्ष बॉबी हज्जाज सामने लाए थे। हसीना पांच अगस्त से भारत में हैं। 77 वर्षीय हसीना छात्रों के नेतृत्व में हुए व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर चली गई थीं। छात्रों के इस आंदोलन के कारण उनकी 16 साल पुरानी सरकार गिर गई थी। उनकी बहन रेहाना भी उनके साथ हैं। जॉय अमेरिका में रहते हैं, जबकि उनकी भांजी ट्यूलिप ब्रिटेन की सांसद हैं। बांग्लादेश स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों तथा सैन्य एवं नागरिक अधिकारियों के खिलाफ "मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार" के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। प्रदर्शनों के सिलसिले में दर्ज हत्या के कई मामलों में भी उनका नाम शामिल है।

पाकिस्तान की खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने महत्वपूर्ण दस्तावेजों के लिए पोलियो टीकाकरण को अनिवार्य बनाया

अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय सरकार ने फैसला किया है कि वह अब पोलियो टीकाकरण से इनकार करने वाले परिवारों को जन्म, मृत्यु या विवाह प्रमाण–पत्र जारी नहीं करेगी। यह कदम प्रांत में जारी पोलियो उन्मूलन अभियान को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। पेशावर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की प्रांतीय सरकार ने फैसला किया है कि वह अब पोलियो टीकाकरण से इनकार करने वाले परिवारों को जन्म, मृत्यु या विवाह प्रमाण–पत्र जारी नहीं करेगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह कदम प्रांत में जारी पोलियो उन्मूलन अभियान को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि नए निर्देश के तहत, व्यक्तियों को इन आवश्यक दस्तावेजों को जारी करवाने के लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके बच्चों का पोलियो टीकाकरण हो ।यह निर्देश विशेष रूप से पेशावर और उसके आसपास के क्षेत्रों तथा निकटवर्ती ग्राम परिषदों को ध्यान में रखकर जारी किया गया है, जिसका उद्देश्य उन क्षेत्रों में टीकाकरण दर में सुधार लाना है जहां टीकाकरण के प्रति विरोध एक चुनौती बना हुआ है। पेशावर के उपायुक्त द्वारा हाल में जारी एक अधिसूचना में जिला स्वास्थ्य अधिकारी और चिकित्सा अधिकारी को चेतावनी दी गई है कि आदेश का पालन न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने कहा, "इस निर्णय से यह सुनिश्चित होगा कि हर बच्चे का टीकाकरण हो। हम भविष्य की पीढ़ियों को पोलियो से बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं।

कानाडा में पहली बार यहूदियों को बचाने कूद पड़े हिंदू, मच गया बवाल

कुछ समय पहले कनाडा ने इजरायल को ऐसा जख्म दिया था जिसे देख यहूदियों की आंखें भर आई थी। कनाडा ने अपनी संसद में 98 साल के एक व्यक्ति को सम्मनाति किया था। लेकिन आप ये जानकर हैरान हो जाएंगे कि ये व्यक्ति हिटलर की नाजी सेना का अधिकारी थी। कुछ समय पहले की ही बात है जब भारत और इजरायल के दो लड़के अपने देश के सम्मान के लिए कट्टरपंथियों से भिड़ते नजर आए थे। उस वक्त इस खबर ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। लेकिन कनाडा से आई खबर को सुनकर इजरायल भी भारत की तारीफ करने से नहीं रह पाएगा। कनाडा में अब यहूदियों को बचाने के लिए हिंदू मैदान में आ गए हैं। हिंदुओं ने कनाडा की धरती पर जय श्री राम के नारे लगाए और कहा कि यहूदियों के साथ हम खड़े हैं। आपको बता दें कि कनाडा में यहूदियों और हिंदुओं दोनों के खिलाफ नफरत बढ़ती जा रही है। कनाडा के काफी लोग खासकर खालिस्तानी हिंदुओं और यहूदियों से नफरत करते हैं। मगर अब कनाडा के टोरंटो शहर में हिंदू लोग बड़ी संख्या में यहूदियों की रक्षा के लिए उतर आए। जस्टिन ट्रूडो के राज में यहूदी विरोधी घटनाओं, धमकियों और हेट क्राइम में जबरदस्त इजाफा हुआ है। कुछ समय पहले कनाडा ने इजरायल को ऐसा जख्म दिया था जिसे देख यहूदियों की आंखें भर आई थी। कनाडा ने अपनी संसद में 98 साल के एक व्यक्ति को सम्मनाति किया था। लेकिन आप ये जानकर हैरान हो जाएंगे कि ये व्यक्ति हिटलर की नाजी सेना का अधिकारी थी। जिसने हजारों यहूदियों को मारा था। कनाडा के स्पीकर को यहूदियों से माफी मांगनी पड़ गई। अब कनाडा में हिंदुओं और यहूदियों ने हाथ मिला लिया है। ब्रिटेन में भी हिंदुओं और यहूदियों के खिलाफ प्रदर्शन होते रहे हैं। कुछ दिनों पहले की ही बात है लंदन में भारतीय लड़का खालिस्तानियों के बीच कूद पड़ा था और वहां से तिरंगे को उठा लाया था। भारत के इस लड़के से तिरंगे का अपमान नहीं देखा गया। इसके अलावा लंदन में ही हमास समर्थक रैली में एक इजरायली लड़का घुस गया। सैकड़ों की संख्या में हमास समर्थक इजरायल को लेकर बुरा–भला कह रहे थे। इजरायली व्यक्ति ये देख नहीं पाया। इजरायल के इस लड़के ने बोला कि हमास ने हमारे सैकड़ों लोगों को मार दिया। लेकिन फिर भी ये लोग फिलिस्तीन के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं। ये लोग इतने डरपोक हैं कि मास्क पहनकर रैलियां निकाल रहे हैं। इनमें इतनी हिम्मत भी नहीं है कि अपनी शक्ल दिखा पाए।

24 महीनों में 402 सेना की ताकत बढ़ा रहा पाकिस्तान, चीन से मिलने वाले हाईटेक फाइटर जेट कितने दमदार?

पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान खरीदने का फैसला पाकिस्तान के गंभीर आर्थिक संकट से जूझने के बीच आया है। हालांकि, चीन की ओर से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है या आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी डील का जिक्र नहीं किया गया है। पाकिस्तान द्वारा चीनी जेट खरीदने की अटकलें तब प्रमुख हो गईं जब पीएएफ के शीर्ष अधिकारी झुहाई शहर में प्रतिष्ठित वार्षिक एयर शो में शामिल हुए, जहां चीनी जेट का प्रदर्शन किया गया था। दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन के संबंध में एक बड़े रणनीतिक निर्णय के रूप में पाकिस्तान ने 40 जे–35, चीनी स्टील्थ फाइटर जेट हासिल करने की योजना बनाई है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह चीन की किसी भी देश को पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की पहली बिक्री होगी, जो क्षेत्रीय गतिशीलता को पुनर्गठित करेगा। पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान वायुसेना (च।थ) ने 40 विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी है. इन जेट विमानों की डिलीवरी दो साल के भीतर होने की उम्मीद है, जो पाकिस्तान के पुराने बेड़े अमेरिकी एफ–16 के साथ–साथ फ्रांसीसी मिराज लड़ाकू विमानों की जगह लेंगे। गौरतलब है कि पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान खरीदने का फैसला पाकिस्तान के गंभीर आर्थिक संकट से जूझने के बीच आया है। हालांकि, चीन की ओर से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है या आधिकारिक तौर पर ऐसी किसी डील का जिक्र नहीं किया गया है। पाकिस्तान द्वारा चीनी जेट खरीदने की अटकलें तब प्रमुख हो गईं जब पीएएफ के शीर्ष अधिकारी झुहाई शहर में प्रतिष्ठित वार्षिक एयर शो में शामिल हुए, जहां चीनी जेट का प्रदर्शन किया गया था। पिछली रिपोर्टों के अनुसार, श्र–35 के भूमि–आधारित संस्करण को श्र–31 कहा जाता था। चीन वर्तमान में इस क्षेत्र का एकमात्र देश है जिसने स्टील्थ विमान विकसित किया है। पोस्ट रिपोर्ट के अनुसार, पीएएफ प्रमुख एयर मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने जनवरी में कहा था कि जे–31 स्टील्थ लड़ाकू विमान प्राप्त करने की नींव पहले ही रखी जा चुकी है। सभी सहयोगी देशों, चीन और पाकिस्तान के बीच गोपनीयता से भरा गहरा सैन्य संबंध था। बीजिंग पाकिस्तानी सेना के तीनों अंगों के आधुनिकीकरण में मदद कर रहा है क्योंकि उसने अरबों डॉलर के रक्षा व्यय के साथ अपने स्वयं के सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण किया है।

भ्रष्टाचार के चलते सप्तसागर समाप्त, अब प्रशासन को तालाब बचाने की चिन्ता

अयोध्या(आरएनएस)। रामनगरी अयोधय में भ्रष्टाचार के चलते पौराणिक सप्तसागर समाप्त हो गया और अब प्रशासन व सरकार को तालाब बचाने की चिन्ता जाग्रत हुई है। पौराणिक महत्व वाले सप्तसागर पर बनी कालोनी में निर्मित हो रहे भवन को अवैध बताकर उपजिलाधिकारी सदर व भारी पुलिस बल की मौजूदगी में बुल्डोजर से ढहा दिया गया जबकि भवन बनवाने वाले संतोष कुमार गुप्ता व उनकी पत्नी मनीषा गुप्ता ने सरकारी अमले से बार बार अनुरोध किया कि मैंने सन् 2018 में इस प्लाट को अयोध्या प्रसाद से खरीदा है इसकी रजिस्ट्री होकर खारिज दाखिल हुई है और अयोध्या फैजाबाद विकास प्राधिकरण ने भवन मानचित्र स्वीकृत किया है जिसके लिए तीन लाख रूपये मैने जमा किये हैं सारी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही मैने भवन बनवाना शुरू किया है अभी 17 दिसम्बर को मैने छत डलवाई है। जिला प्रशासन ने पहले क्यों नही रोका? बिना पूर्व सूचना दिये अचानक मेरा नवनिर्मित भवन बुल्डोजर लगाकर गिरवाना शुरू कर दिया गया यह योगी सरकार के अधिकारियों का कैसा न्याय है? यदि अधिकारी कहते हैं कि यह तालाब की जमीन है तो जमीन की रजिस्ट्री व दाखिल खारिज होने,भवन मानचित्र स्वीकृत करने में रोक क्यों नही लगाई गयी? भवन निर्माता की यह दलील महत्व रखती है कि आखिर सारे कार्य निर्विघ्न रूप से कैसे हो गये? अब प्रशासन क्यों जागा? उपजिलाधिकारी सदर विकास दुबे का कहना है कि सप्तसागर में जो मकान ध्वस्त किया गया है वह गाटा संख्या 69 में है, जो राजस्व अभिलेखों में तालाब दर्ज है। तालाब में मकान बनवाना अवैध है इसलिए इसे ढहाया गया है? फिलहाल सप्तसागर कालोनी में सैकड़ों भवन पिछले दस साल में बन चुके हैं, जिन्हें विकास प्राधिकरण ने बनने दिया इसमें अधिकांश गेस्ट हॉउस व रेस्टोरेंट हैं। यहां शासन ने सीवर लाइन, विद्युत लाइन, नाली–नाले, सड़कें आदि बनवाया है। सप्त सागर विशाल क्षेत्र में फैला पौराणिक महत्ववाला तालाब था लेकिन अधिकारियों की मिली भगत से कुछ भूमाफियों ने इसकी पटाई कराकर प्लाटिंग करके सारी जमीन बिक्री कर दी,लोगों ने प्लाट खरीदकर आलीशान इमारतें बनवा लीं। सप्तसागर को बचाने व उसके सौन्दर्यीकरण के लिए स्थानीय नागरिकों ने सन् 2000 से देकर सन् 2010 तक शासन– प्रशासन से सप्तसागर विकास समिति के बैनर तले संघर्ष किया लेकिन उसमें सफलता नहीं मिली और भ्रष्टाचार के चलते सप्तसागर समाप्त हो गया। अब प्रशासन व सरकार को तालाब बचाने की चिन्ता जाग्रत हुई है।

बजली कटौती को लेकर कटका क्लब ने सुल्तानपुर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सुल्तानपुर जिले में ग्रामीण क्षेत्रों में असमय विद्युत कटौती से विद्यार्थियों के अध्ययन में उत्पन्न हो रही बाधा के कारण सुल्तानपुर एस डी एम सदर विपिन द्विवेदी को ज्ञापन कटका क्लब सामाजिक संस्था के द्वारा सौंपा गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने किया। इस मौके पर उपस्थित संस्था अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने बताया कि हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा के दिन निकट हैं। छात्र परीक्षा की तैयारी में लगे हुए हैं। दिसम्बर अर्थात सर्दी के महीने में घर के कमरों में सुबह सात बजे के बाद ही पढ़ने–लिखने के लिए विद्यार्थियों को प्रर्याप्त प्राकृतिक प्रकाश मिल पाता है। विद्युत विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह पांच बजे के आस–पास बिजली काट दी जा रही है। जिससे विद्यार्थियों को पढ़ने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मौके महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष नफीसा खातून ने बताया कि बोर्ड परीक्षा के इस पीक टाइम में बिजली कट जाने के बाद विद्यार्थियों कों अध्ययन में बड़ी असुविधा हो रही है। सर्दी के दिनों में सुबह पांच बजे कमरे और कमरे के बाहर अंधेरा रहता है। छः बजे के बाद कमरे बाहर कुछ प्रकाश संभव होता है। सर्दी के महीने में सुबह कमरे के बाहर बैठ कर पढ़ने से विद्यार्थियों को ठंड लग सकती है जिससे वे बीमार भी पड़ सकते हैं। वहीं राष्ट्रीय सर्व समाज आर्मी के प्रदेश प्रभारी सरफराज ने कहा कि विद्युत विभाग को सुबह पांच बजे से सात बजे तक विद्युत कटौती रोकने के लिए निर्देशित करें नहीं तो संस्था जल्द आन्दोलन करेगी। ज्ञापन देने में गुल फूल बेग़म, बृजेन्द्र मिश्र, मीनू यादव, रवि तिवारी, सूफियान, समीर, अमर यादव उपस्थित रहे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से लाइनमैन की मौत

जयसिंहपुर सुल्तानपुर (आरएनएस)। जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के दोस्तपुर थाना अंतर्गत बनी अलहादादपुर गांव में सोमवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां लाइट ठीक करते समय एक लाइनमैन करंट लगने से खम्भे पर ही चिपक गया। वो काफी देर तक पोल पर ही झूलता रहा।जिससे स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरु करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मुस्तफाबाद कला गांव का निवासी है प्राइवेट लाइनमैन।सोमवार दोपहर दोस्तपुर क्षेत्र के मुस्तफाबाद कला गांव निवासी प्राइवेट लाइनमैन इंद्र विश्वकर्मा (38) वर्ष विद्युत पोल पर चढ़कर लाइट सही कर रहा था। इसी बीच अचानक हाईटेंशन विद्युत की चपेट में आकर वह पोल पर झुलस कर लटक गया। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। और घटना को देखकर सभी अचंभित हो गए। बड़ी मशक्कत कर लोगों ने सीढ़ी के सहारे उसे नीचे उतारा और इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले गए। इससे पहले युवक इंद्र की मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस व बिजली विभाग ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इस संबंध में तहसीलदार मयंक मिश्र कहना है कि मौके पर पहुंचकर जांच व बिजली विभाग के सम्बंधित से वार्ता के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने को स्कूल में लगाई गई विज्ञान प्रदर्शनी

अंबेडकर नगर।नगर के इंद्रलोक कॉलोनी में स्थित एस एस एन पब्लिक स्कूल में मंगलवार को विज्ञान प्रदर्शनी एवं बाल मेला का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर चंद्रयान प्रदूषण नियंत्रक स्मार्ट सिटी पावर प्लांट सोलर प्लांट मिसाइल आधुनिक गांव वर्षा जल संरक्षण इंडिया गेट ताज महल विद्युत उत्पादन गृह आदि प्रोजेक्ट आदि विषयों में मॉडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।विज्ञान टीचर पूजा यादव एवं कुमारी पारुल सिंह के प्रयास से कक्षा 8 की छात्रा आशी वर्मा शालिनी तिवारी का पर्यावरण प्रदूषण पर बनाया गया मॉडल सुहानी कनौजिया का मानव स्वसनतंत्र तथा कक्षा 7 कीछात्रा रिया वर्मा का सौर ऊर्जा का प्रदर्शन सराहनीय था।आरोही यादव का विद्युत संयंत्र कक्षा 5 की छात्र लकी विश्वकर्मा का थर्मल पावर प्रोजेक्ट सिद्धांत तिवारी का साइंस का सौर मॉडल प्रशंसनीय था। पत्रकार सुभाष त्रिपाठी और स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने सभी मॉडल का अवलोकन कर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे मॉडलों की टीमों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर स्कूल के शिक्षक नीलेश मिश्रा इंद्रेश शिक्षिका दीपा त्रिपाठी साक्षी तिवारी शिवानी दुबे का विशेष सहयोग रहा। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने कहा कि छात्र–छात्राओं में वैज्ञानिक सोच उत्पन्न करने के लिए विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर बच्चों के सैकड़ो अभिभावक एवं स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पूर्व प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर किसान मेला, कृषि प्रदर्शनी एवं किसान सम्मान दिवस कार्यक्रम का आयोजन

अंबेडकर नगर । सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिवस के अवसर पर लोहिया भवन सभागार अकबरपुर में प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार (श्री अन्न) कार्यक्रम योजना अंतर्गत मिलेट्स रेसीपी एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम, कृषि सूचनातंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम आत्मा (ड।म) एवं नेशनल मिशन ऑन एडबिल आयल (ओ एस एंड टी बी ओ) योजना अंतर्गत जनपद स्तरीय रबी गोष्टीधकिसान मेलाध कृषि प्रदर्शनी एवं किसान सम्मान दिवस कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ हरिओम पांडे विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा (साधु वर्मा), कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। एम एल सी डॉ. हरिओम पांडे द्वारा किसान गोष्ठी में किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि रबी फसल में मोटा अनाज के खेती के प्रति किसानों के बीच जागरूकता फैलाना अत्यावश्यक है। मोटे अनाज की खेती से मिट्टी स्वस्थ रहेगी एवं इसके उपयोग से आज की दिनचर्या में आमलोगों का जीवन भी स्वस्थ होगा। वही मोटे अनाज की खेती से किसानों को अच्छी आमदनी होगी।कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह जी किसानों के मसीहा थे और वह ऐसे प्रधानमंत्री थे जो किसान घर से थे और स्वयं भी किसान थे। उन्होंने किसानों के लिए बृहद स्तर पर कार्य किए हैं। इस अवसर पर विधायक ने कहा की धान एवं गेहूं आदि की खेती के साथ–साथ मत्स्य पालन को करके कृषक भाई आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने मत्स्य पालन हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा संबंधित अधिकारियों को मत्स्य पालन एवं कृषि से संबंधित अन्य योजनाओं की पहुंच सुगमता के साथ कृषकों तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के आदर्श को नमन करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों के लिए व उनके उत्थान के लिए, विकास के लिए , प्रगति के लिए हमेशा लड़ाई लड़ी । भूमि सुधार, उन्नतशील बीज, सिंचाई , कृषि उत्पादों की मार्केटिंग, कृषि की नई तकनीकी, उत्पाद की बाजार तक पहुंच सहित अन्य विभिन्न बिंदुओं पर अनेक कानून लाकर किसानों की स्थिति को सुधार करने का कार्य किया। किसान गोष्ठी में प्रगतिशील कृषकों द्वारा विभिन्न फसलों, मत्स्य, पशुपालन आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कृषि उत्पादन हेतु अपने अनुभवों को साझा किया गया। कृषि वैज्ञानिकों एवं उपनिदेशक कृषि डॉ अश्वनी कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय सहित कृषि से जुड़े हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा कृषकों की आय को दोगुनी किए जाने के संबंध में विभिन्न तकनीकों एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर जनपद में धान, गेहूं, चना, मटर, सरसों, गन्ना, मिलेट्स, फल, मछली, दूध आदि में उत्कृष्ट उत्पादन करने वाले प्रगतिशील कृषकों को माननीय अतिथियों द्वारा पुरस्कार राशि (डीबीटी द्वारा), अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी के साथ उपनिदेशक कृषि डॉ अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट उत्पादन करने वाले जनपद के दो प्रगतिशील कृषकों यथादृ राम मगन (चना उत्पादन में प्रदेश में द्वितीय स्थान) तथा रमापति (धान उत्पादन में प्रदेश में तृतीय स्थान) को राज्य स्तर पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया है।कार्यक्रम का संचालन जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय ने किया। इस दौरान कृषि विभाग के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

जंगल में किशोर के साथ किया अप्राकृतिक दुष्कर्म, गिरफ्तार

कुड़वार सुल्तानपुर (आरएनएस)। गांव के बाहर सुअर चरा रहे किशोर को बहला फुसलाकर बगल के गांव निवासी ने अप्राकृतिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दे डाला। घटना की जानकारी होने पर किशोर के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।पुलिस ने आरोपी को गिरफतार कर लिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 11 वर्षीय किशोर गांव के बाहर सुअर चराने गया था। तभी बगल के गांव सरैया पूरे बिसेन निवासी राज बहादुर पुत्र राम आसरे ने किशोर को बहला फुसलाकर जंगल में ले जाकर अप्राकृतिक दुष्कर्म कर डाला। घटना की जानकारी होने पर किशोर

के बड़े भाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को बहमरपुर नहर की पुलिया के पास से गिरफतार कर लिया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ दीवान रामकुमार यादव, आरक्षी राहुल यादव व अभिषेक कुमार पासवान शामिल रहे।प्रभारी निरीक्षक चंद्र भान वर्मा ने बताया कि गिरफतार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

जयसिंहपुर में आठ नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनेंगे

सुलतानपुर(आरएनएस)। जयसिंहपुर विकास क्षेत्र में आठ नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने को स्वीकृति मिल गई है। जहा ग्रामीणों को स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न योजनाओं की सुविधा मिलेगी। स्थानीय विकास खण्ड में कुल 89 ग्राम पंचायतें है। जिसकी टोटल जनसंख्या लगभग दो लाख तीस हजार है। अभी तक विकास क्षेत्र में तीस स्वास्थ्य उपकेंद्र संचालित है। अब सरकार ने आठ नए उपकेंद्र संचालित करने की स्वीकृति देकर उपकेंद्र के संचालन की कवायद तेज कर दी है। जल्द ही संबंधित आठ नए उपकेंद्र क्षेत्र के ग्रामीणों को लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। गर्भवती महिलाओं और पांच वर्ष तक के बच्चो की देखभाल टीकाकरण, वैक्सीन लगाने, पोलियो ड्रॉप पिलाने बच्चों में अंतराल रखने की सलाह वा गर्भनिरोधक उपाय अपनाने सम्बन्धी सलाह देने की जिम्मेदारी इन्हीं उपकेंद्र पर तैनात एएनएम के ऊपर होती है। एक उपकेंद्र के जिम्मे नियमानुसार पांच हजार की ही जनसंख्या की जिम्मेदारी होनी चाहिए। हिसाब से दो लाख तीस हजार की जनसंख्या पर 46 उपकेंद्र संचालित होने चाहिए। लेकिन क्षेत्र में अभी तक तीस उपकेंद्र के सहारे काम निपटाया जाता रहा है। सरकार ने उपकेंद्र की कमी को देखते हुए अब आठ नए उपकेंद्र मसीरपुर, अठैसी, बगिया गांव, अर्जुनपुर, चोरमा, सुरौली, भभोट माधवपुर छतौना गांव में संचालित करने की स्वीकृति प्रदान कर उपकेंद्र पर फनीचर सहित अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति सीएचसी जयसिंहपुर पर कर दी है। गौरतलब हो कि अभी किराए के भवन में यह उपकेन्द्र संचालित होंगे।

दरवाजे की शान कुओं का मिट रहा निशान

सुलतानपुर(आरएनएस)। कभी दरवाजे की शान माना जाने वाले कुओं का आज नामोनिशान खत्म हो रहा है। कुओं की उपेक्षा ,बदहाली से आज गांवों में कुओं के अस्तित्व को खतरा उत्पन्न हो गया है। करीब पांच दशक पहले गांव से लेकर शहर तक संभ्रांत, कुलीन परिवारों के दरवाजे पर कुआं शान, कुलीनता की पहिचान हुआ करता था। शुद्ध पेयजल के लिए गांव में इक्का–दुक्का कुओं से इर्द–गिर्द के परिवार रस्सी के सहारे पहले मिट्टी के घड़े से पानी निकाल कर ले जाया करते थे। धीरे–धीरे लोहे की बाल्टी, गगरा से पानी निकाल कर ले जाया जाता था। बहुउद्देशीय रहे कुंऐकुओं का उपयोग मांगलिक कार्यों जैसे शादी से पहले बारात निकलने पर कुआं की पूजा अर्चना की जाती थी जो आज भी प्रचलन में है। रास्ते के किनारे चौराहों पर पौशाला चलाकर राहगीरों को पानी पीने की सुविधा, घरों में पीने के पानी, नहाने, कपड़ा धोने, खेतों की सिंचाई के लिए चर्खी, बैलों से चलने वाली रहट,आपातकाल में आग बुझाने, यहां तक कि पागल कुत्ते के काटने पर बिष से राहत के लिए कुंआ में झांककर अपना चेहरा देखने का प्रचलन था। यहां तक कि संभ्रांत परिवारों में घर के आंगन में कुआं शान हुआ करता था।दरवाजे के अलावा दूर दराज खेतों में भी सिंचाई करने के लिए कुओं को खोदा जाता था।ऐसे होता था कुंओ का निर्माणकरीब पांच दशक पहले कुंओ की खुदाई से पहले गूलर के पटरी से कुआं का निर्धारित व्यास बनाया जाता था। फिर कुंऐ की खुदाई की जाती थी। गूलर की पटरी नीचे लगाकर उसी के ऊपर ईंट की दीवार खड़ी की जाती थी। परंतु, आखिरी दिन कुंऐ की निचली सतह पर चांड़नी अर्थात पानी के भारी श्रोत मिलने के अवसर पर इर्द–गिर्द गांवों के लोगों के सहयोग से चांड़नी की जाती थी।उस दिन वहां पहुंचने वाले सहयोगी व शुभेच्छु सभी को सतुआ देकर सहभोजन भी कराया जाता था। 'कुंओ का मिटता निशान'समय के साथ बढ़ते संसाधनों से हैंडपंप, ट्यूब बे्ल,समरसेबल, टोंटी से पानी जैसे सुविधाएं उपलब्ध हो जाने से आज कुंओ का निशान मिट रहा है। दरवाजे की कभी का शान कुओं को लोग खरपतवार, मिट्टी से पाटकर पहिचान मिटा रहे हैं।जिसे आज भी बहुत से लोग अशुभ संकेत मानते हैं।क्या कहते हैं लोग 1– अनिल निषाद कहते हैं कि पहले के समय में गांव में इक्का–दुक्का कुआं हुआ करता था जिससे ,लोग पीने के पानी, नहाने धोने के उपयोग में लाते थे परंतु ,आज भौतिकवादी युग में लोग पुरखों के बनाए हुए कुंओ का निशान मिटा रहे हैं।2– शिखा ध्त्रिपाठी का कहना है कि कुआं खोदना बहुत ही पूर्ण का काम माना जाता था। पुराने जमाने में खुदाई किए गए कुंओ का आज लोग पाठ कर अपराध कर रहे हैं।3– विजयधार पाठक कहते हैं कि गांव में कुओं की दशा बहुत खराब है। यहां तक की लोग कुएं में गांव का सारा कचरा पाट रहे हैं। जो हमारे सनातन धर्म के लिए अच्छा नहीं है। कुंआ हमारे सनातन धर्म में आस्था का प्रतीक है। 4– सरस्वती देवी कहती हैं कि कुंओ की उपेक्षा कर रहे लोगों को इसका परिणाम भुगतना पड़ सकता है। लोगों में सद्बुद्धि आऐ, यही हमारी इच्छा है।

अमित शाह को बर्खास्त करो सुनील मिश्र

कांग्रेस पार्टी का बाबा साहब अम्बेडकर सम्मान मार्च सम्पन्न

अम्बेडकरनगर। 18 वी लोकसभा सत्र के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारतीय संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ भीमराव अम्बेडकर के प्रति असम्माननीय टिप्पणी की उक्त बातें जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील मिश्र ने कही।उन्होंने कहा आज हम अम्बेडकरनगर जनपद के कांग्रेसजन बाबा साहब भीवराव अम्बेडकर के सम्मान में ष्बाबा साहब अम्बेडकर सम्मान मार्चष निकालकर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के प्रति असम्माननीय टिप्पणी करने वाले देश के गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे और बर्खास्तगी की मांग करते हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मो अनीश खान, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह ष्कप्तानष, राम कुमार पाल, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव अमित जायसवाल ने कहा बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई और वे हम सभी के आदर्श है। कांग्रेस मीडिया इंचार्ज अवधेश कुमार मिश्र ष्बब्लूष ने बताया आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर अम्बेडकरनगर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील मिश्र के नेतृत्व में बाबा साहब अम्बेडकर सम्मान मार्च निकाला गया। महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार अकबरपुर शिवनरेश सिंह को सौपा गया और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे और बर्खास्तगी की मांग की गयी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सैमेराजुद्दीन किछौछवी,मो अनीश खान, अजय सिंह ष्कप्तानष, राम कुमार पाल, अमित जायसवाल, अवधेश कुमार मिश्र ष्बब्लूष, गुलाम रसूल ष्छोटूष, सुखीलाल वर्मा, श्रीकांत वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामजन्म दुबे एडवोकेट, सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष उदयभान मिश्र ष्राजबहादुरष शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सूर्यनारायण तिवारी, मूलचंद जायसवाल, राजपत पटेल समेत अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे।

वोकर फार लोकल की तर्ज पर शहर में लगा शीतल महोत्सव

सुल्तानपुर(आरएनएस)। 22 नवंबर से 20 जनवरी 2025 तक चलने वाले शीतल महोत्सव वोकर फार लोकल की तर्ज पर शहर के खुर्शीद क्लब मैदान मे हस्तकला से तैयार हैंडलूम एवं हस्तशिल्प मेला चलेगा यह जानकारी पी आई ग्रामोद्योग सोसायटी के आयोजक प्रेम नारायण द्विवेदी, हरिप्रसाद द्विवेदी ने बताया कि पहले आए पहले पे की तर्ज पर प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए निशुल्क प्रवेश व्यवस्था की गई है। पी ग्राम उद्योग समिति के आयोजन प्रेम नारायण द्विवेदी ने बताया कि ठंड से बचने के लिए ग्रामीणांचल व शहरी क्षेत्र के लिए यह मेला बड़ा ही महत्वपूर्ण है। शीतल महोत्सव प्रदर्शनी में 22 नवंबर से 20 जनवरी तक लगभग 2 माह तक चलने वाले मेले में सुबह 11:00 बजे से सायं 11:00 बजे तक खरीददार पहुंच रहे हैं। आयोजक श्री द्विवेदी ने बताया कि जिले में सस्ता और अच्छा हैंडलूम व हस्तशिल्प मेला का यह पहला निः शुल्क प्रदर्शनी है। यह मेल 60 दिनों तक चलेगा प्रतिवर्ष शीतल महोत्सव का आयोजन उक्त सोसाइटी द्वारा किया जाता रहा है। मेले में ठंड से बचने के लिए नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए गर्म कपड़े, कंबल, राजस्थानी व्यंजन, जैकेट, कढाई दार साड़ियां, आदि सस्ते सामान की बिक्री पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष ज्यादा है।

अवैध शराब बनाने वाले दो अभियुक्त हुए गिरफ्तार

सुल्तानपुर(आरएनएस)। क्रिसमस पर्व पर आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी, सुल्तानपुर एवं उप आबकारी आयुक्त, अयोध्या प्रभार के निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार तिवारी, उपजिलाधिकारी कादीपुर उत्तमकुमार के पर्यवेक्षण में पुलिस व आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2 डॉ गिरिराज सिंह, संजय मिश्रा व डॉ संजय उपाध्याय द्वारा क्षेत्र 2 कादीपुर के जंगलिया महमूदपुर, कादीपुर खुर्द में दबिश दी गई। आबकारी टीम द्वारा 30 लीटर अवैध कच्ची शराब की बरामदी की की गई और लगभग 200 किलो लहन बरामद कर नष्ट किया गया तथा उत्तर प्रदेश आबकारी एक्ट की सुसंगत धाराओं में 2 लोगों पर अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा गया।

फार्मेसी संकाय में मनाया गया साइबर सेफ्टी एवं सिक्योरिटी जागरूकता सप्ताह

सुल्तानपुर!(आरएनएस) जनपद के कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (फार्मेसी संकाय) में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गए ष्साइबर सेफ्टी एवं सिक्योरिटी जागरूकता सप्ताह अभियानष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसको १६–२५ दिसंबर २०२४ तक एक सप्ताह इस कार्यक्रम को संस्थान में विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे संस्थान में कार्यक्रम की शुरुआत फार्मेसी संकाय के निदेशक प्रो. डॉ महेश प्रसाद एवं मुख्य अतिथि राजेश साहू के द्वारा किया गया उसके साथ ही उन्होंने सभी को समाज में हो रहे साइबर क्राइम के प्रति जागरूक रहने को बताया साथ में हो रहे साइबर अटैक जिससे लोगों के पर्सनल डाटा, पैसे की हेरा फेरी, ब्लैकमेलिंग कैसे स्कैम के प्रति सभी को जागरूक होने को बताया। मुख्य अतिथि राजेश साहू ने सभी को साइबर अपराधियो कि पहचान और सेफ्टी के लिए क्या कदम उठाने की जरूरत की चीज को प्रेजेन्टेशन के द्वारा सभी को जागरूक किया । साथ में संस्थान स्तर पर छात्रध छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक द्वारा जागरूकता अभियान किया गया ।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।